



PRATHMESH



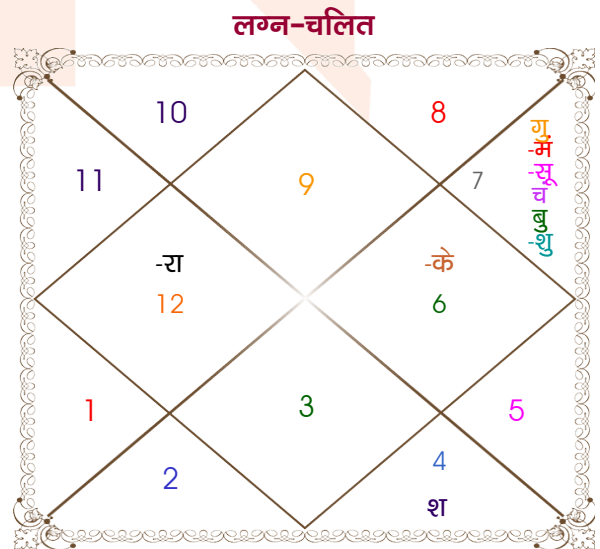
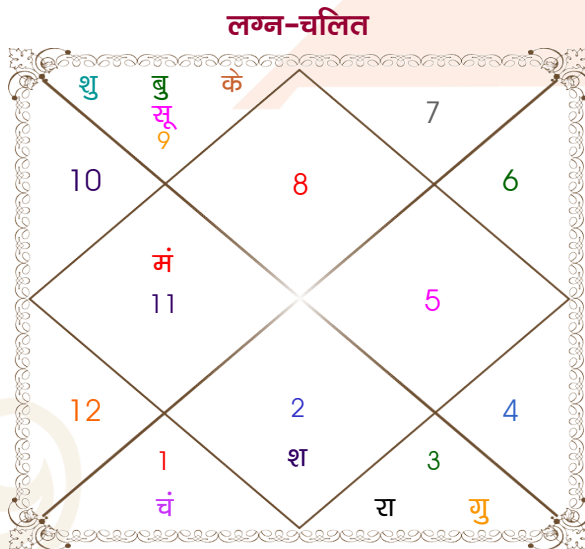
RADHIKA

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120206703

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 24-25/12/2001 : _____ जन्म तिथि _____ 24/10/2006
 सोम-मंगलवार : _____ दिन _____ मंगलवार _____
 घंटे 05:10:00 : _____ जन्म समय _____ 11:55:00 घंटे
 घटी 55:16:21 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 13:30:04 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Pune : _____ स्थान _____ Bidar
 18:34:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 17:56:00 उत्तर
 73:58:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:35:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:34:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:19:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 07:03:27 : _____ सूर्योदय _____ 06:15:56
 18:04:39 : _____ सूर्यास्त _____ 17:51:49
 23:52:48 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:57:08

विंशोत्तरी केतु 5वर्ष 6मा 19दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 4वर्ष 5मा 13दि	
शुक्र		12:54:18	वृश्चि	लग्न	धनु	23:19:00	शनि	
15/07/2007		09:21:31	धनु	सूर्य	तुला	06:45:08	08/04/2011	
15/07/2027		02:45:22	मेष	चंद्र	तुला	29:37:18	08/04/2030	
		17:52:00	कुंभ	मंगल	तुला	06:26:06		
शुक्र	13/11/2010	20:39:05	धनु	बुध	तुला	29:52:41	शनि	11/04/2014
सूर्य	14/11/2011	17:43:51	मिथु व	गुरु	तुला	29:16:00	बुध	19/12/2016
चन्द्र	14/07/2013	04:27:19	धनु	शुक्र	तुला	05:51:46	केतु	28/01/2018
मंगल	14/09/2014	15:55:08	वृष व	शनि	कर्क	29:28:18	शुक्र	29/03/2021
राहु	13/09/2017	03:16:13	मिथु	राहु व	मीन	00:57:29	सूर्य	11/03/2022
गुरु	14/05/2020	03:16:13	धनु	केतु व	कन्या	00:57:29	चन्द्र	10/10/2023
शनि	15/07/2023	28:16:00	मक	हर्ष व	कुंभ	17:09:19	मंगल	18/11/2024
बुध	15/05/2026	13:19:41	मक	नेप व	मक	23:05:08	राहु	25/09/2027
केतु	15/07/2027	21:54:03	वृश्चि	प्लूटो	धनु	00:45:27	गुरु	08/04/2030



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

PRATHMESH का वर्ग सिंह है तथा RADHIKA का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार PRATHMESH और RADHIKA का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

PRATHMESH मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

RADHIKA मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु RADHIKA की कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल RADHIKA की कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

PRATHMESH तथा RADHIKA में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

